सत्र 2024–25

Pravreshika Certificate in Performing Art (P.C.P.A.)
I Year
Private

S.No.	Paper Description	Maximum	Minimum
01.	Practical – I Viva	100	33
02.	Practical – I Demonstration	100	33
	Grand Total	200	66

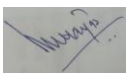

सत्र 2024–25
स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु
प्रवेशिका सर्टिफिकेट इन परफॉर्मिंग आर्ट प्रथम वर्ष
तबला (मौखिक)

पूर्णांक	उत्तीर्णांक
100	33

1. संगीत की परिभाषा एवं ध्वनि, नाद, स्वर की संक्षिप्त परिभाषाएँ।
2. लय, ताल, मात्रा, सम, खाली, विभाग, ठेका, तिहाई, तथा आवर्तन की सोदाहरण परिभाषाएँ।
3. तबला वाद्य की बनावट की जानकारी ।
4. पाठ्यक्रम के तालों को पहचानकर पूर्ण करना :– दादरा, रूपक ,कहरवा, झपताल, त्रिताल।
5. तबले के वर्णो का निकास :– धा, धि, ना, कत, घे, गे, के, कत्, ति, तू, ति, ट, या, टे,।

क्रियात्मक

पूर्णांक	उत्तीर्णांक
100	33

1. हाथ से ताली देकर दादरा, रूपक, कहरवा झपताल तथा त्रिताल के ठेकों की पढ़न्त तथा उनको तबले पर बजाना।
2. पाठ्यक्रम के तालों को हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन में बोलना तथा तबले पर बजाना।
3. तबले के वर्णो का निकास : धा, धि, ना, कत, घे, गे, के,कत्, ति, तू, ट, या, टे।
4. त्रिताल में निम्नलिखित दो सरल कायदे तथा एक रेला, दो–दो पल्टे तथा तिहाई के साथ बजाना तथा हाथ से ताली देकर पढ़ना।
   (अ) धा धा ति ट, धा धा ती ना
   (ब) धा धा तिर किट, धा धा ती ना
   (स) धाऽतिर किटधाऽ तिरकिट धाऽधाऽ तिरकिट धाऽतिर किटधाऽ तिरकिट।
5. पाठ्यक्रम के तालों को तबले पर बजते हुए सुनकर ठेकों को पहचानना। पाठ्यक्रम के निर्धारित ताल :– त्रिताल, झपताल, कहरवा, रूपक दादरा।
6. एक मात्रा से चार मात्रा तक के मोहरे (प्रत्येक ताल में) बजाकर सम पर मिलना।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल शास्त्र परिचय – डॉ. मनोहर भालचंद्र मराठे

सत्र 2025–26

Praveshika Certificate in Performing Art (P.C.P.A.)
II Year
Private

S.No.	Paper Description	Maximum	Minimum
01.	Theory – I	100	33
02.	Practical – Demonstration & Viva	100	33
	Grand Total	200	66

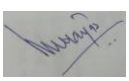

सत्र 2025–26
स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु
प्रवेशिका सर्टिफिकेट इन परफॉर्मिंग आर्ट अंतिम वर्ष
तबला–शास्त्र
(वस्तुनिष्ठ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पद्धति पर आधारित)

समय : 3 घंटे

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

इकाई 1

मंद्र, मध्य, तार, सप्तक, आरोह तथा अलंकार की जानकारी।

इकाई 2

विलम्बित, मध्य, एवं द्रुत लय की परिभाषा एवं खाली–भरी की जानकारी।

कायदा, रेला तथा मुखड़े की परिभाषा।

इकाई 3

तबला बांये की रचना की संपूर्ण जानकारी। धा, धिं, ता, तिं, तिट, तिरकिट, धागे, धिनगिन, किड़नग आदि को तबला–बांयें पर निकालने की विधि का ज्ञान।

इकाई 4

भातखण्ड़े ताल लिपि का सामान्य ज्ञान। प्रथमा (प्रथम वर्ष) के कायदे एवं रेलों को तालिपि में लिखना।

इकाई 5

प्रथम वर्ष के अतिरिक्त एकताल, आड़ाचौताल एवं तिलवाड़ा तालों का ज्ञान।

सत्र 2025–26
स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु
प्रवेशिका सर्टिफिकेट इन परफॉर्मिंग आर्ट अंतिम वर्ष
तबला–शास्त्र
क्रियात्मक

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
100	33%

1 प्रथम वर्ष के तालों के अतिरिक्त एकताल, आड़ाचौताल तथा तिलवाड़ा तालों के ठेके हाथ से ताली देकर बोलना तथा तबले पर बजाना।

2 तिट, तिरकिट, धागे, धिनगिन, घिड़नग, किड़नग, इन बोलों को तबले तथा बांयें पर बजाना।

3 त्रिताल, झपताल, दादरा, रूपक, और कहरवा तालों को दुगुन तथा चौगुन में बजाना।

4 त्रिताल में प्रथम वर्ष के कायदों तथा रेले के अतिरिक्त :–

(अ) धाति टधा तिट धाधा तिट धागे तिन किन –यह कायदा चार पल्टे तथा तिहाई सहित दुगुन में बजाना एवं पढ़ना।

(ब) धाऽ तिर किट धाऽ तिट घेन धाति घेन तिन किन – यह कायदा चार पल्टे तथा तिहाई सहित दुगुन में बजाना एवं पढ़ना।

(स) धातित् धातित् धाधा धिंधा, धिंधा धातित् धाधा धिंधा यह पेशकार दो सरल प्रकारों सहित बजाना एवं पढ़ना।

5 चार मात्रा से आठ मात्रा तक के मोहरे (पाठ्यक्रम की तालों में) बजाकर सम पर मिलना

6 चार मात्रा से आठ मात्रा की तिहाइयॉ।

:संदर्भ सूची:

1. तबला प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 – पं. रामशंकर पागलदास
3. ताल प्रकाश – श्री भगवतशरण शर्मा
4. संगीत शास्त्र परिचय – डॉ.एम. बी. मराठे
5- ताल शास्त्र परिचय – डॉ. एम. बी. मराठे